INDIAN BUSINESS PARTY
IBP
इंडियन बिजनेस पार्टी
www.indianbusinessparty.org

प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office
डाक अनुभाग
DAK SECTION
Date 7/11/17

श्री नरेंद्र मोदी जी
माननीय प्रधान मंत्री
भारत सरकार
साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110011

Ref: IBP/17-18/024
07 November, 2017

विषय : काले धन की पुनः व्याख्या के सन्दर्भ में माननीय प्रधान मंत्री जी

नोट बंदी के एक वर्ष की पूर्व संध्या पर इंडियन बिज़नेस पार्टी आपका अभिनन्दन करती है और आपके द्वारा लिए गए इस साहसिक निर्णय पर आपको बधाई देती है । नोट बंदी का एक पवित्र लक्ष्य काले धन को बाहर लाना था, यह लक्ष्य पूरा हुआ है या नहीं, यह सवाल अभी भी कायम है और इसका जवाब अभी सार्वजनिक होना बाकी है क्यूंकि 90 प्रतिशत चलन से बाहर हुए नोट RBI में वापस आ चुके है। हालांकि नोटों की गिनती अभी चल तक रही है । विभिन्न श्रोतों से आ रही जानकारी के अनुसार नोट बंदी में लगभग 17 हज़ार करोड़ रूपए के ऐसे लेनदेन का पता चला है जो शैल कम्पनियों के माध्यम से संदिग्ध रूप से नोट बंदी के दौरान जमा किये गये है । आयकर विभाग की जाँच अभी प्रगति में है ।

नोट बंदी के एक वर्ष में काले धन के ऊपर बहुत सी चर्चा हुई है पर अफ़सोस यह है कि काले धन के नाम पर सिर्फ कारोबरियों को ही संदेह के घेरे में लिया जाता है जबकि वास्तविकता इससे परे है । अगर गंभीरता से देखा जाए तो कारोबरियों पर काला धन है ही नहीं, उनके पास जो धन है वह वैध श्रोतों से कमाया गया है और उसके कुछ भाग पर करों का भुगतान नहीं किया गया है। कोई भी कारोबारी अपना धन नगद रूप से रख ही नहीं सकता बल्कि उसकी पाई-पाई कारोबार में निवेशित है और वह अर्थव्यवस्था का अटूट हिस्सा है । देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में इसकी एक अप्रत्यक्ष भूमिका है । हालाँकि ऐसे धन सृजन को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए बल्कि आसान करो के माध्यम से इस पर भी टैक्स लगा कर GDP का हिस्सा बना सकते है । इस प्रकार के धन को काला धन न कह कर कुछ और परिभाषित करना चाहिये। जैसे कि ग्रे धन (Grey money)।

दूसरी ओर वास्तविक रूप से काला धन वह है जो गैर कारोबरियों, सफ़ेद पोशो पर नगदी, सोने या बेनामी सम्पति के माध्यम से संचित है, जिसे अवैध श्रोत जैसे रिश्वत, जबरन वसूली, इत्यादि के माध्यम से अर्जित किया गया है । इस प्रकार का धन अर्थव्यवस्था का दुश्मन है और देश की प्रगति में इसका नकारात्मक योगदान है । दुर्भाग्य से यह दबे हुये काले स्रोत से आने के कारण यह वास्तविक काला धन है और इस प्रकार के धन के स्रोत स्थल एवं निवेश स्थल दोनों ही प्रतिबंधित होने चाहिये । सरकार द्वारा घोषित नोट बंदी जैसी पवित्र योजना इसी प्रकार के काले धन को समाप्त करने थी पर दुर्भाग्य से बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से योजना का उदेश्य ही समाप्त हो गया।

महोदय आपसे निवेदन है कि काले धन की व्याख्या पुनः की जाए और ग्रे मनी को आसान कर दरों द्वारा और काले धन को राष्ट्र द्रोह मानते हुए कठोर दंड के द्वारा समाप्त किया जाए ।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की अगले वर्ष जब हम नोट बंदी की द्वितीय वर्षगाठ बना रहे होंगे, देश से वास्तविक काला धन समाप्त हो जाएगा और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो कर उभरेगी । इंडियन बिज़नेस पार्टी पूर्ण सहयोग के लिए तत्पर है ।

सादर आभार

वी के बंसल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
+91 876435958

Pragati Tower, 26 Rajendra Place, New Delhi-110008, INDIA.
+91-11-25784221 +91-7042828540 info@indianbusinessparty.org, indianbusinessparty@gmail.com
www.facebook.com/indianbusinessparty twitter.com/InBusinessParty www.linkedin.com/in/indianbusinessparty